शेख़ फ़रीद – सबद १३२
सभना मन माणिक ठाहणु मूलि मचांगवा ॥
सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३८४

सभना मन माणिक ठाहणु मूलि मचांगवा ॥
जे तउ पिरीआ दी सिक हिआउ न ठाहे कही दा ॥१३०॥

सार: सभी जीवों का अपना आंतरिक मूल्य होता है और उन्हें नुक़सान पहुँचाना जीवन की मूल नींव के ही विपरीत है। ऐसा नुकसान कोई अलग-थलग घटना नहीं, यह उन नाज़ुक कड़ियों को तोड़ देता है जो पूरे अस्तित्व को आपस में जोड़ती हैं। उदाहरण के लिए, पर्यावरण का विनाश, जैसे कि वनों की कटाई के दूरगामी परिणाम होते हैं। जब पेड़ काटे जाते हैं तब पूरा पारिस्थिति का तंत्र प्रभावित होता है, वन्यजीव अपना आवास खो देते हैं, हवा की गुणवत्ता बिगड़ जाती है और जो स्थानीय समुदाय इन संसाधनों पर निर्भर होते हैं, उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस सार्वभौमिक व्यवस्था का उल्लंघन उस संतुलन को बिगाड़ देता है जो सभी जीवों के फलने-फूलने के लिए आवश्यक है। इसलिए, इसका प्रभाव न केवल आपसी संबंधों पर पड़ता है बल्कि यह अस्तित्व से भी जुड़ा है।

सभना मन माणिक ठाहणु मूलि मचांगवा ॥
सभी प्राणियों का सार अनमोल है, उसे हानि पहुँचाना मूलतः हानिकारक है। इसलिए पीड़ा पहुँचाना सार्वभौमिक नियम का उल्लंघन है जो हमारे अस्तित्व के मूल को भंग करता है।

जे तउ पिरीआ दी सिक हिआउ न ठाहे कही दा ॥१३०॥
यदि आप अस्तित्व के सर्वव्यापी स्रोत की लालसा रखते हैं तब सावधान रहें कि किसी का हृदय न तोड़ें। इसका तात्पर्य यह है कि सार्वभौमिक सत्य के प्रति प्रेम का दावा करना और उसके अनेक रूपों को पीड़ा पहुँचाना विरोधाभासी है। (१३०)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद हमें स्मरण कराते हैं कि यदि कोई अस्तित्व के उस सर्वव्यापी स्रोत को पाने की अभिलाषा रखता है तब उसे इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वह उन हृदयों को ठेस न पहुँचाए जिनके माध्यम से वही दिव्य उपस्थिति स्वयं को अभिव्यक्त करती है, ऐसा करके वह उसी उपस्थिति की उपेक्षा करता है जिसका वह आदर करने का दावा करता है। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई नदी के प्रति अपनी भक्ति का दावा तो करे किंतु उसे ही प्रदूषित करे या एकता की चाह तो रखे, पर ऐसे कार्य करे जिनसे अलगाव और भी गहरा हो जाए। हम अपने सार्वभौमिक स्रोत के साथ सच्चा एकत्व तभी प्राप्त कर सकते हैं जब हम उसकी विभिन्न अभिव्यक्तियों को समग्र का ही एक अंग मानते हुए, दया और करुणा के साथ सम्मान दें।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com